ICSE Class 10 Hindi Specimen Paper 2

Written by the Future Topper subject team on the CISCE examination pattern. Not an official CISCE paper.
Found a mistake? Write to contactfuturetopper@gmail.com

Maximum Marks: 80 | Time Allowed: Three hours | Reading Time: 15 minutes

Section A is compulsory. Attempt any four questions from Section B, answering at least one question from each of the two books you have studied.

General Instructions

Write your answers on the separate answer paper provided. The first 15 minutes are for reading the paper, and you may not write during that time. Marks for each question, or part of a question, are shown in brackets. Section A carries 40 marks and all of it must be attempted. Section B carries 40 marks: attempt any four questions from it, each of which carries 10 marks. Every answer in this paper must be written in Hindi, in the Devanagari script. Number your answers exactly as the question is numbered.

इस प्रश्न-पत्र के सभी उत्तर हिंदी में लिखिए। खंड 'क' के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। खंड 'ख' से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए, जिनमें आपने जिन दो पुस्तकों का अध्ययन किया है उनमें से प्रत्येक से कम से कम एक प्रश्न अवश्य हो। प्रत्येक प्रश्न अथवा उसके भाग के अंक कोष्ठक में दिए गए हैं। उत्तर उसी क्रम-संख्या के साथ लिखिए जिस क्रम-संख्या से प्रश्न दिया गया है।

खंड 'क' (Section A) — भाषा [40 अंक]

इस खंड के सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रश्न 1 [15]

निम्नलिखित में से **किसी एक** विषय पर लगभग 250 शब्दों में निबंध लिखिए:

(i) समय का सदुपयोग। समय के महत्त्व, उसके दुरुपयोग से होने वाली हानि तथा उसे ठीक से बाँटने के उपायों पर अपने विचार लिखिए।

(ii) जल ही जीवन है। जल-संकट के कारण बताते हुए लिखिए कि घर, विद्यालय और नगर के स्तर पर जल बचाने के लिए क्या-क्या किया जा सकता है।

(iii) मेरे जीवन का सबसे यादगार दिन। उस दिन की घटनाओं का क्रमबद्ध वर्णन कीजिए और बताइए कि वह दिन आपके लिए विशेष क्यों है।

(iv) 'विज्ञान वरदान भी है और अभिशाप भी' — इस कथन पर दोनों पक्षों को सामने रखते हुए अपना मत स्पष्ट कीजिए।

(v) यदि मुझे एक दिन के लिए अपने नगर का अधिकारी बना दिया जाए — अपनी कल्पना के आधार पर लिखिए कि आप कौन-से परिवर्तन करना चाहेंगे और क्यों।

प्रश्न 2 [7]

निम्नलिखित में से **किसी एक** विषय पर लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए:

(i) अपने छोटे भाई को पत्र लिखकर समझाइए कि वह परीक्षा के दिनों में समय-सारणी बनाकर किस प्रकार पढ़ाई करे, और उसे अपने अनुभव से कुछ सुझाव दीजिए।

(ii) अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को प्रार्थना-पत्र लिखकर विद्यालय के पुस्तकालय में हिंदी की पुस्तकों की संख्या बढ़ाने तथा पढ़ने के लिए अलग कक्ष की व्यवस्था करने का अनुरोध कीजिए।

प्रश्न 3 [10]

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखिए:

> समय संसार की एकमात्र ऐसी संपत्ति है जो सबको बराबर मिली है। धनी और निर्धन, बालक और वृद्ध — सबके दिन में उतने ही घंटे हैं। अंतर केवल इतना है कि कोई उन घंटों को बोता है और कोई उन्हें बिखेर देता है। खोया हुआ धन फिर कमाया जा सकता है, भूली हुई विद्या फिर पढ़ी जा सकती है, टूटा हुआ स्वास्थ्य भी प्रायः लौट

> आता है ; किंतु बीता हुआ क्षण किसी भी मूल्य पर वापस नहीं मिलता। जो व्यक्ति यह कहकर काम टालता है कि कल कर लूँगा, वह वास्तव में अपने जीवन का एक टुकड़ा फेंक रहा होता है। समय का सदुपयोग का अर्थ दिन भर व्यस्त दिखना नहीं है। व्यस्तता और उपयोगिता दो अलग बातें हैं। सदुपयोग का अर्थ है — यह जानना कि इस समय सबसे आवश्यक कार्य कौन-सा है, और उसे पहले करना। जिसने अपने दिन को क्रम दे दिया, उसने अपने जीवन को दिशा दे दी। संसार के बड़े-से-बड़े कार्य किसी अधिक समय पाने वाले मनुष्य ने नहीं, समय को ठीक से बाँटने वाले मनुष्य ने किए हैं।

(i) लेखक ने समय को संसार की एकमात्र ऐसी संपत्ति क्यों कहा है जो सबको बराबर मिली है ? **[2]**

(ii) खोए हुए धन और बीते हुए क्षण में लेखक ने क्या अंतर बताया है ? **[2]**

(iii) लेखक के अनुसार व्यस्तता और उपयोगिता में क्या अंतर है ? **[2]**

(iv) 'जिसने अपने दिन को क्रम दे दिया, उसने अपने जीवन को दिशा दे दी' — इस वाक्य का आशय स्पष्ट कीजिए। **[2]**

(v) इस गद्यांश के लिए एक उपयुक्त शीर्षक दीजिए तथा 'सदुपयोग' शब्द का विलोम लिखिए। **[2]**

प्रश्न 4 [8]

निम्नलिखित में से प्रत्येक के लिए सही विकल्प चुनकर लिखिए। केवल प्रश्न की क्रम-संख्या और चुने हुए विकल्प का अक्षर लिखिए।

(i) 'अंधकार' शब्द का विलोम है — (क) तिमिर (ख) प्रकाश (ग) रात्रि (घ) छाया **[1]**

(ii) 'चौराहा' में कौन-सा समास है ? — (क) द्वंद्व (ख) द्विगु (ग) बहुव्रीहि (घ) अव्ययीभाव **[1]**

(iii) 'सूर्योदय' का सही संधि-विच्छेद है — (क) सूर्यो + दय (ख) सूर + उदय (ग) सूर्य + ओदय (घ) सूर्य + उदय **[1]**

(iv) 'नाक में दम करना' मुहावरे का अर्थ है — (क) बहुत तंग करना (ख) नाराज हो जाना (ग) घमंड करना (घ) बीमार पड़ जाना **[1]**

(v) शुद्ध वर्तनी वाला शब्द है — (क) परीस्थिति (ख) परिस्थीति (ग) परिस्थिति (घ) परीस्थीति **[1]**

(vi) 'जिसका कोई शत्रु न हो' — के लिए एक शब्द है — (क) अजेय (ख) अमर (ग) अनंत (घ) अजातशत्रु **[1]**

(vii) 'पुस्तक' का पर्यायवाची शब्द है — (क) ग्रंथ (ख) लेखनी (ग) पत्रिका (घ) पाठशाला **[1]**

(viii) 'राम ने पत्र लिखा।' इस वाक्य में 'ने' किस कारक का चिह्न है ? — (क) कर्म (ख) करण (ग) कर्ता (घ) संबंध **[1]**

खंड 'ख' (Section B) — साहित्य [40 अंक]

किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आपने जिन दो पुस्तकों का अध्ययन किया है, उनमें से प्रत्येक से कम से कम एक प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

साहित्य सागर — गद्य खंड

प्रश्न 5 [10]

जैनेंद्र कुमार की कहानी 'अपना-अपना भाग्य' के आधार पर:

(i) नैनीताल की उस सर्द शाम को लेखक और उसके मित्र ने पहाड़ी बालक को किस दशा में देखा? [2]

(ii) बालक ने अपने विषय में क्या बताया और वह उन लोगों से क्या चाहता था? [2]

(iii) लेखक के मित्र के चरित्र की तीन विशेषताएँ लिखिए। [3]

(iv) 'अपना-अपना भाग्य' शीर्षक में छिपे व्यंग्य को स्पष्ट कीजिए और बताइए कि कहानी समाज पर क्या प्रश्न खड़ा करती है। [3]

प्रश्न 6 [10]

मन्नू भंडारी की कहानी 'दो कलाकार' के आधार पर:

(i) चित्रा और अरुणा की रुचियों में क्या अंतर था? [2]

(ii) भिखारिन की मृत्यु के बाद अरुणा ने क्या किया? [2]

(iii) चित्रा के चरित्र की तीन विशेषताएँ, कहानी की घटनाओं के आधार पर लिखिए। [3]

(iv) कहानी में सच्चा कलाकार किसे कहा जा सकता है और क्यों? अपने उत्तर के पक्ष में तर्क दीजिए। [3]

प्रश्न 7 [10]

हरिशंकर परसाई की रचना 'भेड़ें और भेड़िए' के आधार पर:

(i) जंगल में चुनाव कराने का निश्चय क्यों किया गया? [2]

(ii) भेड़िए ने अपने को भेड़ों का हितैषी सिद्ध करने के लिए क्या-क्या किया? [2]

(iii) इस व्यंग्य-रचना में लेखक ने किन-किन सामाजिक और राजनीतिक बुराइयों पर चोट की है? तीन बिंदुओं में लिखिए। [3]

(iv) भेड़ों के आचरण से आज के मतदाता को क्या सीख लेनी चाहिए? रचना के शीर्षक की सार्थकता भी स्पष्ट कीजिए। [3]

साहित्य सागर — पद्य खंड

प्रश्न 8 [10]

निम्नलिखित कुंडलिया को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

> बिना विचारे जो करै, सो पाछे पछिताय।
> काम बिगारै आपनो, जग में होत हँसाय॥
> जग में होत हँसाय, चित्त में चैन न पावै।
> खान पान सनमान, राग रँग मनहिं न भावै॥
> कह गिरिधर कविराय, दुखी होइ तन मन बारे।
> बिना विचारे जो करै, सो पाछे पछिताय॥
>
> — गिरिधर कविराय, 'गिरिधर की कुंडलियाँ'

(i) कवि के अनुसार बिना विचारे काम करने वाले को क्या भोगना पड़ता है? [2]

(ii) 'जग में होत हँसाय' से कवि का क्या आशय है? [2]

(iii) बिना सोचे-समझे किए गए कार्य के तीन दुष्परिणाम, इस कुंडलिया के आधार पर लिखिए। [3]

(iv) कुंडलिया छंद की दो विशेषताएँ बताइए और इस कुंडलिया से उनके उदाहरण दीजिए। **[3]**

प्रश्न 9 [10]

निम्नलिखित पद को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

> ऐसो को उदार जग माहीं।
> बिनु सेवा जो द्रवै दीन पर, राम सरिस कोउ नाहीं॥
>
> — तुलसीदास, 'विनय के पद'

(i) कवि ने राम को संसार का सबसे उदार क्यों कहा है? **[2]**

(ii) 'बिनु सेवा जो द्रवै दीन पर' पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए। **[2]**

(iii) विनय के पदों में तुलसीदास की भक्ति-भावना किस रूप में प्रकट हुई है? तीन बिंदुओं में लिखिए। **[3]**

(iv) दास्य भाव की भक्ति से क्या अभिप्राय है? तुलसीदास के काव्य की तीन विशेषताएँ लिखिए। **[3]**

प्रश्न 10 [10]

निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

> साथ दो बच्चे भी हैं सदा हाथ फैलाए,
> बाएँ से वे मलते हुए पेट को चलते,
> और दाहिना दया-दृष्टि-पाने की ओर बढ़ाए।
>
> — सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला', 'भिक्षुक'

(i) भिखारी के साथ चलने वाले बच्चों की दशा का वर्णन कीजिए। **[2]**

(ii) बच्चे बाएँ हाथ से पेट क्यों मलते चलते हैं? **[2]**

(iii) इस काव्यांश में कवि ने भूख की पीड़ा को किन-किन चित्रों के द्वारा व्यक्त किया है? तीन बिंदुओं में लिखिए। **[3]**

(iv) कविता पढ़कर आपके मन में कैसी भावना जागती है? कवि समाज से क्या चाहता है? **[3]**

नया रास्ता — सुषमा अग्रवाल

प्रश्न 11 [10]

उपन्यास 'नया रास्ता' के आधार पर:

(i) मायाराम दहेज के विरोधी होते हुए भी अपने सिद्धांत पर क्यों नहीं टिक सके? **[2]**

(ii) अमित की माँ ने आशा के लिए प्रस्ताव भिजवाने का सुझाव किस उद्देश्य से दिया था? **[2]**

(iii) उपन्यास के आधार पर दयाराम के चरित्र की तीन विशेषताएँ लिखिए। **[3]**

(iv) मायाराम का पश्चात्ताप किस प्रकार प्रकट हुआ? क्या आप उनके क्षमा पाने को उचित मानते हैं? कारण दीजिए। **[3]**

प्रश्न 12 [10]

उपन्यास 'नया रास्ता' के आधार पर:

(i) मीनू ने वकालत पढ़ने का निश्चय किन परिस्थितियों में किया? **[2]**

(ii) पिता की बीमारी के समय मीनू ने क्या किया? **[2]**

(iii) उपन्यास में नारी शिक्षा और आत्मनिर्भरता का महत्त्व किन घटनाओं से सिद्ध होता है? तीन बिंदुओं में लिखिए। **[3]**

(iv) मीनू ने अपने विवाह में फिजूलखर्ची का विरोध क्यों किया? इससे उसके किस दृष्टिकोण का परिचय मिलता है? **[3]**

प्रश्न 13 [10]

उपन्यास 'नया रास्ता' के आधार पर:

(i) उपन्यास में सरिता के प्रसंग का क्या महत्त्व है? **[2]**

(ii) नीलिमा और सुरेन्द्र की भूमिका कहानी को किस मोड़ पर ले आती है ? **[2]**

(iii) उपन्यास में रंग-रूप के आधार पर होने वाले भेदभाव को किस प्रकार दिखाया गया है ? तीन उदाहरण दीजिए। **[3]**

(iv) यदि आप मीनू के स्थान पर होते तो क्या करते ? अपने उत्तर का कारण सहित समर्थन कीजिए। **[3]**

एकांकी संचय

प्रश्न 14 [10]

हरिकृष्ण 'प्रेमी' के एकांकी 'मातृभूमि का मान' के आधार पर :

(i) महाराणा लाखा ने कौन-सी प्रतिज्ञा की थी और क्यों ? **[2]**

(ii) चारणी ने महाराणा लाखा को क्या सुझाव दिया ? **[2]**

(iii) वीर सिंह के चरित्र की तीन विशेषताएँ लिखिए। **[3]**

(iv) एकांकी के शीर्षक 'मातृभूमि का मान' की सार्थकता सिद्ध कीजिए तथा एकांकी का संदेश लिखिए। **[3]**

प्रश्न 15 [10]

भारत भूषण अग्रवाल के एकांकी 'महाभारत की एक साँझ' के आधार पर :

(i) युद्ध के अंत में दुर्योधन किस दशा में और कहाँ मिलता है ? **[2]**

(ii) अश्वत्थामा दुर्योधन के पास किस समय आता है और क्या प्रतिज्ञा करता है ? **[2]**

(iii) दुर्योधन अपने विनाश के लिए किन-किन को उत्तरदायी ठहराता है ? तीन बिंदुओं में लिखिए। **[3]**

(iv) यह एकांकी महाभारत की कथा को किस नई दृष्टि से देखने को कहता है ? अपने शब्दों में लिखिए। **[3]**

प्रश्न 16 [10]

विष्णु प्रभाकर के एकांकी 'संस्कार और भावना' के आधार पर :

(i) माँ ने अविनाश से संबंध क्यों तोड़ लिया था ? **[2]**

(ii) मिसरानी ने माँ को क्या समाचार सुनाया ? **[2]**

(iii) उमा के चरित्र की तीन विशेषताएँ लिखिए। **[3]**

(iv) एकांकी के अंत में माँ का निर्णय किस बात का प्रमाण है ? शीर्षक की सार्थकता भी स्पष्ट कीजिए। **[3]**

ANSWER KEY AND MARKING SCHEME

Marks shown in italics are the step marks an examiner would award. The answers below give the substance expected; accept any correct answer of equal value written in the candidate's own Hindi, and do not insist on this exact wording. In Question 1 and Question 2 the marks are for content, language and form together, and the division is shown under each. Where a question asks for three points, the best three offered should be marked.

प्रश्न 1 [15]

कोई भी एक विषय। अपेक्षित: विषय से जुड़ी भूमिका, क्रमबद्ध विचार, उपयुक्त उदाहरण तथा सुगठित उपसंहार; लगभग 250 शब्द; शुद्ध वर्तनी और वाक्य-रचना; अनुच्छेदों में विभाजन।

(i) समय: समय की दुर्लभता; बीता क्षण लौटता नहीं; टालमटोल की हानि; समय-सारणी, प्राथमिकता और नियमितता; महापुरुषों के उदाहरण। **(ii) जल:** जल का महत्त्व; संकट के कारण — बढ़ती जनसंख्या, अपव्यय, प्रदूषण, गिरता भूजल; उपाय — टोंटी बंद रखना, वर्षा जल संचयन, नालों की सफाई, जागरूकता। **(iii) यादगार दिन:** दिन का चुनाव; घटनाओं का क्रम; भाव; वह दिन विशेष क्यों। **(iv) विज्ञान:** वरदान पक्ष; अभिशाप पक्ष; संतुलित निष्कर्ष। **(v) कल्पना:** समस्याओं की पहचान; प्रस्तावित परिवर्तन; कारण; व्यावहारिकता।

विषय-वस्तु और विचारों का विकास 7. भाषा, वर्तनी और वाक्य-रचना 5. प्रस्तुति, अनुच्छेद-विभाजन और उपसंहार 3.

प्रश्न 2 [7]

(i) अनौपचारिक पत्र: पता और दिनांक; 'प्रिय अनुज' अथवा नाम से संबोधन; परीक्षा निकट होने की बात; समय-सारणी बनाने की विधि; कठिन विषय को पहले लेना; दोहराने और विश्राम का महत्त्व; नींद और भोजन का ध्यान; स्नेहपूर्ण समापन। **(ii) औपचारिक पत्र:** प्रेषक का पता और दिनांक; 'सेवा में, प्रधानाचार्य महोदय'; विषय; 'महोदय' संबोधन; पुस्तकालय में हिंदी की पुस्तकों की कमी; विद्यार्थियों की रुचि और आवश्यकता; अलग वाचन-कक्ष का अनुरोध; 'आपका आज्ञाकारी शिष्य' के साथ समापन। पत्र लगभग 120 शब्दों का हो।

पत्र का प्रारूप, संबोधन और समापन 2. विषय-वस्तु 3. भाषा और वर्तनी 2.

प्रश्न 3 [10]

(i) क्योंकि धन, विद्या और सुविधाएँ सबको अलग-अलग मात्रा में मिलती हैं, किंतु दिन के घंटे धनी-निर्धन, बालक-वृद्ध सबके लिए समान हैं। अंतर केवल उसके उपयोग में है — कोई उसे बोता है, कोई बिखेर देता है।

सबको समान मिलना 1. उपयोग में अंतर 1.

(ii) खोया हुआ धन परिश्रम से फिर कमाया जा सकता है, भूली हुई विद्या फिर पढ़ी जा सकती है और टूटा स्वास्थ्य भी प्रायः लौट आता है; किंतु बीता हुआ क्षण किसी भी मूल्य पर वापस नहीं मिलता।

धन आदि का लौट आना 1. बीते क्षण का न लौटना 1.

(iii) व्यस्तता का अर्थ है दिन भर किसी-न-किसी काम में लगे दिखना, जबकि उपयोगिता का अर्थ है यह जानना कि इस समय सबसे आवश्यक कार्य कौन-सा है और उसे पहले करना। व्यस्त व्यक्ति भी अपना समय व्यर्थ कर सकता है।

व्यस्तता का अर्थ 1. उपयोगिता का अर्थ, प्राथमिकता सहित 1.

(iv) इसका आशय यह है कि जो व्यक्ति अपने एक दिन के कामों को क्रम और प्राथमिकता के अनुसार बाँट लेता है, उसका प्रत्येक दिन सार्थक हो जाता है; और ऐसे दिनों से मिलकर ही पूरा जीवन एक निश्चित दिशा में आगे बढ़ता है। दिन का अनुशासन ही जीवन का अनुशासन बन जाता है।

दिन को क्रम देने का अर्थ 1. उससे जीवन को दिशा मिलने का आशय 1.

(v) उपयुक्त शीर्षक: 'समय का सदुपयोग' अथवा 'समय ही जीवन है'। 'सदुपयोग' का विलोम — दुरुपयोग।

उपयुक्त शीर्षक 1. विलोम 1.

प्रश्न 4 [8]

(i) (ख) प्रकाश।

सही विकल्प 1.

(ii) (ख) द्विगु — चार राहों का समूह।

सही विकल्प 1.

(iii) (घ) सूर्य + उदय — गुण संधि।

सही विकल्प 1.

(iv) (क) बहुत तंग करना।

सही विकल्प 1.

(v) (ग) परिस्थिति।

सही विकल्प 1.

(vi) (घ) अजातशत्रु।

सही विकल्प 1.

(vii) (क) ग्रंथ।

सही विकल्प 1.

(viii) (ग) कर्ता कारक।

सही विकल्प 1.

प्रश्न 5 [10]

(i) कड़ाके की ठंड में, जब लेखक और उसका मित्र गरम कपड़ों में लिपटे बेंच पर बैठे थे, तब उन्होंने देखा कि लगभग दस वर्ष का एक पहाड़ी बालक फटे-पुराने कपड़ों में, नंगे पाँव, ठंड से काँपता हुआ उनके पास आकर खड़ा हो गया।

कड़ी ठंड और बालक की दयनीय दशा 1. कोई भी दो विवरण — आयु, फटे कपड़े, नंगे पाँव, काँपना 1.

(ii) बालक ने बताया कि उसके माता-पिता नहीं हैं और वह अकेला है। वह उनसे नौकरी चाहता था और बहुत थोड़े वेतन, यहाँ तक कि केवल भोजन और कपड़े पर काम करने को तैयार था।

अनाथ होना 1. नौकरी की याचना, बहुत कम शर्तों पर 1.

(iii) कोई भी तीन: (क) व्यावहारिक और सांसारिक — हर बात को लाभ-हानि की दृष्टि से देखता है; (ख) ऊपर से सहानुभूति दिखाने वाला, पर भीतर से उदासीन; (ग) तर्क देकर अपने उत्तरदायित्व से बच निकलने में कुशल; (घ) बालक को नौकर रखने की बात को हँसी में उड़ा देता है; (ङ) वह उस सुखी मध्यवर्ग का प्रतिनिधि है जो दूसरों के दुख को भाग्य कहकर भुला देता है।

तीन विशेषताएँ, 1-1 अंक।

(iv) शीर्षक में गहरा व्यंग्य है। सुखी लोग दूसरों के दुख को देखकर कहते हैं कि यह तो उसका 'अपना भाग्य' है, और इस एक वाक्य से अपने कर्तव्य से मुक्त हो जाते हैं। वास्तव में यह भाग्य नहीं, समाज की बनाई हुई असमानता है। कहानी यह प्रश्न खड़ा करती है कि जिस समाज में एक ओर लोग गरम कपड़ों में बैठकर बातें करते हैं और दूसरी ओर एक बालक पाले से मर जाता है, उस समाज की संवेदनशीलता का क्या मूल्य है — और उस मृत्यु का उत्तरदायी कौन है।

शीर्षक का व्यंग्य 1. भाग्य कहकर कर्तव्य से बचना 1. समाज पर उठाया गया प्रश्न 1.

प्रश्न 6 [10]

(i) चित्रा को चित्रकला में रुचि थी; वह जीवन के दृश्यों को कैनवस पर उतारने में डूबी रहती थी। अरुणा को समाजसेवा में रुचि थी; वह दुखी और अभावग्रस्त लोगों के बीच जाकर उनकी सहायता करना चाहती थी।

चित्रा की कला-रुचि 1. अरुणा की समाजसेवा 1.

(ii) भिखारिन की मृत्यु के बाद अरुणा ने उसके दोनों छोटे बच्चों को अपने पास रख लिया और उनके पालन-पोषण का उत्तरदायित्व स्वयं उठा लिया।

बच्चों को अपनाना 1. पालन-पोषण का दायित्व लेना 1.

(iii) कोई भी तीन: (क) प्रतिभाशाली चित्रकार — उसके चित्रों की प्रदर्शनी सराही जाती है; (ख) सौंदर्य-प्रेमी, जो दृश्य में कला देखती है, पीड़ा नहीं; (ग) आरंभ में भावना से अधिक कला को महत्त्व देने वाली — मरती भिखारिन का चित्र बना लेती है; (घ) सम्पन्न परिवार की, व्यावहारिक कठिनाइयों से दूर; (ङ) अंत में ईमानदार और आत्म-निरीक्षण करने वाली — अरुणा को सच्ची कलाकार मान लेती है।

तीन विशेषताएँ, 1-1 अंक।

(iv) सच्ची कलाकार अरुणा है। चित्रा ने भिखारिन और उसके बच्चों को कैनवस पर उतारकर प्रसिद्धि और प्रशंसा पाई, किंतु उनके जीवन में कुछ नहीं बदला; अरुणा ने चित्र नहीं बनाया, पर दो बच्चों का जीवन ही बना दिया। कला का मूल्य केवल सौंदर्य की प्रस्तुति में नहीं, जीवन को सँवारने में है। (चित्रा के पक्ष में तर्क भी स्वीकार्य है यदि कला की स्वायत्तता का सुसंगत तर्क दिया गया हो।)

स्पष्ट मत 1. दो सुसंगत तर्क, 1-1 अंक 2.

प्रश्न 7 [10]

(i) जंगल में यह प्रचारित किया गया कि अब शासन पशुओं की इच्छा से चलेगा, इसलिए चुनाव होंगे। वास्तव में यह भेड़ियों की चाल थी, ताकि सत्ता पर उनका अधिकार वैध दिखाई दे और भेड़ें यह समझें कि शासक उन्होंने स्वयं चुना है।

लोकतंत्र का दिखावा 1. भेड़ियों की सत्ता को वैध दिखाने की चाल 1.

(ii) कोई भी दो: भेड़िए ने अपनी दाढ़ें छिपाईं और नम्र वेश धारण किया; सियार और लोमड़ी जैसे चतुर प्रचारकों से अपने गुण गवाए; भेड़ों के हित में बड़े-बड़े वचन दिए; स्वयं को उनका रक्षक और शुभचिंतक बताया।

कोई भी दो उपाय, 1-1 अंक।

(iii) कोई भी तीन: (क) जनता की भोलेपन और अज्ञान का लाभ उठाकर सत्ता प्राप्त करना; (ख) चुनाव में झूठे वचन और प्रचार का बोलबाला; (ग) बुद्धिजीवियों का सत्ता के साथ मिल जाना; (घ) शोषक का स्वयं को रक्षक सिद्ध कर लेना; (ङ) जनता का संगठित न होकर अपने ही शोषक को चुन लेना।

तीन बिंदु, 1-1 अंक।

(iv) सीख: मतदाता को प्रचार और वचनों से नहीं, उम्मीदवार के आचरण और पिछले कार्यों से निर्णय लेना चाहिए; भोलापन और उदासीनता शोषक को ही सत्ता सौंप देती है। शीर्षक सार्थक है, क्योंकि रचना में भेड़ें भोली, असंगठित जनता का और भेड़िए सत्ता के भूखे शोषकों का प्रतीक हैं; दोनों का यह संबंध ही रचना का केंद्रीय विषय है।

मतदाता के लिए सीख 1. प्रतीकों का स्पष्टीकरण 1. शीर्षक की सार्थकता 1.

प्रश्न 8 [10]

(i) कवि कहते हैं कि बिना विचारे काम करने वाले को बाद में पछताना पड़ता है। उसका अपना काम भी बिगड़ जाता है और संसार में उसकी हँसी भी होती है।

पछतावा 1. काम बिगड़ना और हँसी होना 1.

(ii) इसका आशय है कि बिना सोचे किया गया काम बिगड़ जाने पर लोग उस व्यक्ति का उपहास करते हैं और उसे मूर्ख समझते हैं; समाज में उसकी प्रतिष्ठा नष्ट हो जाती है।

उपहास का पात्र बनना 1. प्रतिष्ठा की हानि 1.

(iii) कोई भी तीन: (क) बाद में पछतावा होता है; (ख) अपना बनता हुआ काम बिगड़ जाता है; (ग) संसार में हँसी होती है; (घ) चित्त में चैन नहीं पड़ता; (ङ) खान-पान, सम्मान और राग-रंग कुछ भी अच्छा नहीं लगता, तन और मन दोनों दुखी रहते हैं।

तीन दुष्परिणाम, 1-1 अंक।

(iv) कोई भी दो विशेषताएँ: (क) कुंडलिया छह पंक्तियों का छंद है, जिसमें पहले एक दोहा और फिर एक रोला होता है; (ख) दोहे का अंतिम चरण रोले का पहला चरण बनता है — यहाँ 'जग में होत हँसाय'; (ग) छंद का आरंभ जिस शब्द या पंक्ति से होता है, अंत भी उसी से होता है — यहाँ 'बिना विचारे जो करै, सो पाछे पछिताय'; (घ) प्रायः अंतिम चरण में कवि का नाम आता है — 'कह गिरिधर कविराय'।

दो विशेषताएँ 2. काव्यांश से उदाहरण 1.

प्रश्न 9 [10]

(i) क्योंकि संसार में ऐसा कोई नहीं जो बिना किसी सेवा या बदले के दीन पर द्रवित हो जाए। राम बिना किसी स्वार्थ के, केवल करुणा से भरकर दीन-दुखियों पर कृपा करते हैं, इसलिए उनके समान उदार कोई नहीं।

बिना सेवा के कृपा 1. राम के समान उदार कोई नहीं 1.

(ii) इस पंक्ति का भाव है कि राम दीन पर इसलिए नहीं द्रवित होते कि उसने उनकी सेवा की है, बल्कि केवल उसकी दीनता देखकर ही उनका हृदय पिघल जाता है। उनकी कृपा शर्तरहित और निष्काम है।

सेवा की अपेक्षा न रखना 1. करुणा का निष्काम होना 1.

(iii) कोई भी तीन: (क) तुलसी की भक्ति दास्य भाव की है — वे स्वयं को राम का सेवक मानते हैं; (ख) आत्म-निवेदन और दीनता का भाव — वे अपने दोष स्वीकार कर राम की शरण माँगते हैं; (ग) राम के नाम और कृपा पर अटूट विश्वास; (घ) संसार की नश्वरता का बोध और राम के चरणों के अतिरिक्त कोई आश्रय न मानना; (ङ) विनय के साथ समाज को भी मर्यादा का संदेश।

तीन बिंदु, 1-1 अंक।

(iv) दास्य भाव की भक्ति वह है जिसमें भक्त अपने को स्वामी का दास मानकर सेवा और समर्पण के भाव से भजन करता है; तुलसीदास इसी भाव के कवि हैं। काव्य की तीन विशेषताएँ: (क) अवधी और ब्रज दोनों में समान अधिकार; (ख) लोकमंगल

की भावना और मर्यादा का आदर्श; (ग) दोहा, चौपाई, कवित्त, सवैया आदि अनेक छंदों पर अधिकार तथा अलंकारों का सहज प्रयोग; (घ) सरल, प्रवाहमयी और सूक्ति-प्रधान भाषा।

दास्य भाव की परिभाषा 1. दो विशेषताएँ 2.

प्रश्न 10 [10]

(i) भिखारी के साथ दो छोटे बच्चे भी चलते हैं, जो सदा हाथ फैलाए रहते हैं। वे भी भूखे और दीन हैं; भीख माँगना ही उनका जीवन बन गया है।

दो बच्चों का साथ और हाथ फैलाना 1. उनकी भूख और दीनता 1.

(ii) वे बाएँ हाथ से पेट इसलिए मलते चलते हैं कि भूख की पीड़ा असह्य है; पेट को मलकर वे उस जलन को कुछ कम करने का प्रयत्न करते हैं और साथ ही देखने वालों को अपनी भूख का संकेत भी देते हैं।

भूख की पीड़ा 1. पीड़ा कम करने अथवा भूख दिखाने का प्रयत्न 1.

(iii) कोई भी तीन: (क) हाथ सदा फैले रहना — याचना ही जीवन बन गई है; (ख) बाएँ हाथ से पेट मलना — भीतर जलती भूख का मूर्त चित्र; (ग) दाहिना हाथ दया-दृष्टि पाने की ओर बढ़ाना — करुणा की प्रतीक्षा; (घ) बच्चों का भी इसी दशा में होना, जिससे पीड़ा पीढ़ियों तक फैली दिखती है।

तीन चित्र, 1-1 अंक।

(iv) कविता पढ़कर मन में गहरी करुणा और साथ ही ग्लानि जागती है कि हमारे समाज में मनुष्य की ऐसी दुर्दशा है। कवि केवल दया नहीं चाहता; वह चाहता है कि समाज इस असमानता को पहचाने और उसे दूर करे, ताकि किसी को भूख के कारण हाथ न फैलाना पड़े। (छात्र की अपनी भावना, यदि कविता पर आधारित हो, स्वीकार्य है।)

अपनी भावना, कविता पर आधारित 1. दया से आगे बढ़कर व्यवस्था-परिवर्तन की अपेक्षा 2.

प्रश्न 11 [10]

(i) मायाराम सिद्धांत रूप में दहेज के विरोधी थे और मीनू उन्हें पसंद भी आई थी; किंतु मेरठ के धनी व्यापारी धनीमल की ओर से पाँच लाख रुपये दहेज का प्रस्ताव आते ही लोभ जाग उठा, और पत्नी के आग्रह तथा दबाव के आगे वे अपने सिद्धांत पर टिक न सके।

धन का लोभ 1. पत्नी का दबाव 1.

(ii) अमित की माँ नहीं चाहती थी कि अमित का विवाह मीनू से हो। उसने यह सोचकर आशा के लिए प्रस्ताव भिजवाने का सुझाव दिया कि दयाराम छोटी पुत्री का विवाह पहले कराने से इनकार कर देंगे और इस प्रकार संबंध अपने आप टूट जाएगा।

संबंध तोड़ने का उद्देश्य 1. दयाराम के इनकार की गणना 1.

(iii) कोई भी तीन: (क) स्नेही पिता — पुत्रियों के भविष्य की चिंता में घुलते रहते हैं; (ख) न्यायप्रिय — बड़ी पुत्री के रहते छोटी का विवाह पहले करना अस्वीकार करते हैं; (ग) स्वाभिमानी — अपमान सहकर भी गिड़गिड़ाते नहीं; (घ) साधारण आय वाले, व्यावहारिक कठिनाइयों से जूझते मध्यवर्गीय व्यक्ति; (ङ) संवेदनशील, जो चिंता के कारण रुग्ण हो जाते हैं।

तीन विशेषताएँ, 1-1 अंक।

(iv) सरिता से तय हुआ संबंध टूट जाने और अमित के विवाह से इनकार कर देने के बाद मायाराम को अपनी भूल का बोध हुआ। वे स्वयं दयाराम के घर आए, क्षमा माँगी और मीनू के लिए अमित का प्रस्ताव रखा। उनका क्षमा पाना उचित माना जा सकता है, क्योंकि पश्चात्ताप सच्चा था और उन्होंने अपनी भूल सार्वजनिक रूप से स्वीकार की; उपन्यास यही कहता है कि भूल सुधारने वाले के लिए नया रास्ता सदा खुला रहना चाहिए। (विरोधी मत भी, कारण सहित, स्वीकार्य है।)

पश्चात्ताप का रूप 1. अपना मत 1. मत के पक्ष में कारण 1.

प्रश्न 12 [10]

(i) बार-बार अस्वीकार किए जाने और अमित के संबंध के टूट जाने के बाद मीनू ने अनुभव किया कि विवाह की प्रतीक्षा में बैठे रहना आत्म-अपमान है। उसने विवाह का विचार छोड़कर आगे पढ़ने और वकालत करके अपने पैरों पर खड़े होने का निश्चय किया।

बार-बार अस्वीकार और अपमान 1. आत्मनिर्भर बनने का निश्चय 1.

(ii) पिता के बीमार पड़ने पर मीनू ने अपनी पढ़ाई और कार्य के साथ-साथ उनकी सेवा का भार भी उठाया। वह उनके पास रहकर सप्ताह भर उनकी देखभाल करती रही और घर की जिम्मेदारी भी सँभाली।

सेवा का भार उठाना 1. पढ़ाई और घर दोनों सँभालना 1.

(iii) कोई भी तीन: (क) शिक्षा ने मीनू को उस समाज के सामने खड़ा होने का बल दिया जिसने उसे ठुकराया था; (ख) वकील बनकर वह अपने परिवार का सहारा बनी, बोझ नहीं रही; (ग) आत्मनिर्भरता के बाद उसके निर्णय उसके अपने हो गए — विवाह अब विवशता नहीं, चुनाव था; (घ) वह मनोहर जैसे दूसरों की सहायता करने योग्य भी बनी; (ङ) उसका उदाहरण अन्य कन्याओं के लिए मार्ग बन गया।

तीन बिंदु, 1-1 अंक।

(iv) मीनू ने देखा था कि दिखावे पर किया गया खर्च ही दहेज की जड़ है और उसी ने उसके परिवार को वर्षों तक अपमानित किया। इसलिए उसने अपने विवाह में फिजूलखर्ची का विरोध किया और बचाए हुए धन को सार्थक काम में लगाया। इससे उसके व्यावहारिक, आडंबर-विरोधी और समाजोपयोगी दृष्टिकोण का परिचय मिलता है — वह दिखावे के स्थान पर उपयोगिता को महत्त्व देती है।

दिखावे का विरोध, कारण सहित 1. बचाए धन का सदुपयोग 1. दृष्टिकोण का नाम 1.

प्रश्न 13 [10]

(i) सरिता का प्रसंग यह दिखाता है कि दहेज के लोभ में संबंध कैसे तय किए जाते हैं। धनीमल की पुत्री सरिता का चयन उसके गुणों के कारण नहीं, पाँच लाख रुपये के कारण हुआ; और जब वही संबंध टूटा, तब सिद्ध हुआ कि धन पर टिका संबंध स्थायी नहीं होता।

धन के आधार पर संबंध का चयन 1. उसका टूटना और उससे मिलने वाला निष्कर्ष 1.

(ii) अमित की दुर्घटना का समाचार नीलिमा को मिला और उसने सुरेन्द्र के माध्यम से मीनू तक पहुँचाया। इसी समाचार के कारण मीनू अस्पताल गई, और यहीं से कहानी कटुता से क्षमा और पुनर्मिलन की ओर मुड़ जाती है।

समाचार पहुँचाना 1. कहानी का क्षमा और पुनर्मिलन की ओर मुड़ना 1.

(iii) कोई भी तीन: (क) मीनू का साँवला रंग ही उसके बार-बार अस्वीकार किए जाने का कारण बनता है; (ख) वर पक्ष कन्या की योग्यता और शिक्षा नहीं, केवल रूप देखने आता है; (ग) सरिता का चयन चित्र और धन देखकर किया जाता है; (घ) समाज की स्त्रियाँ विवाह-प्रसंगों में मीनू को ताने देती हैं; (ङ) मीनू को स्वयं अपने रंग के कारण हीनता का अनुभव कराया जाता है।

तीन उदाहरण, 1-1 अंक।

(iv) छात्र का अपना मत, कारण सहित। अपेक्षित दिशा: मीनू की भाँति शिक्षा और आत्मनिर्भरता का मार्ग चुनना उचित है, क्योंकि इससे व्यक्ति दूसरों की स्वीकृति का मोहताज नहीं रहता; अपमान का उत्तर कटुता से नहीं, योग्यता से देना अधिक प्रभावी होता है; और क्षमा कर देने से संबंध भी बचते हैं और आत्मसम्मान भी। कोई भी सुसंगत उत्तर, जो उपन्यास की घटनाओं पर आधारित हो, स्वीकार्य है।

स्पष्ट मत 1. दो सुसंगत कारण, 1-1 अंक 2.

प्रश्न 14 [10]

(i) बूँदी से पराजित होकर लौटे महाराणा लाखा ने अपमान से व्याकुल होकर प्रतिज्ञा की कि जब तक वे अपनी सेना सहित बूँदी के किले में प्रवेश नहीं कर लेते, तब तक अन्न-जल ग्रहण नहीं करेंगे।

प्रतिज्ञा का स्वरूप 1. पराजय से उपजा अपमान — कारण 1.

(ii) चारणी ने लाखा को समझाया कि राजपूतों का आपस में लड़ना ही उनकी दुर्बलता है। उसने सुझाव दिया कि मेवाड़ में बूँदी के किले जैसा एक किला बनवा लिया जाए, जिसमें प्रवेश कर महाराणा अपनी प्रतिज्ञा पूरी कर लें और राजपूतों का रक्त भी न बहे।

आपसी युद्ध रोकने का परामर्श 1. नकली किले का सुझाव 1.

(iii) कोई भी तीन: (क) मातृभूमि का सच्चा प्रेमी — मेवाड़ की सेना में रहकर भी बूँदी के मान को नहीं भूलता; (ख) कर्तव्यनिष्ठ — जिस किले की रक्षा का भार मिला, उसे प्राण देकर निभाता है; (ग) वीर और निर्भीक — अपने साथियों सहित अंत तक लड़ता है; (घ) स्वाभिमानी — बूँदी के नाम वाले किले को बिना लड़े सौंपना स्वीकार नहीं करता; (ङ) बलिदानी, जिसके मरने पर शत्रु भी उसका सम्मान करता है।

तीन विशेषताएँ, 1-1 अंक।

(iv) शीर्षक सार्थक है। एकांकी का सारा संघर्ष बूँदी के, अर्थात मातृभूमि के, मान को लेकर है। वीर सिंह मेवाड़ की सेना में होकर भी उस किले की रक्षा में प्राण दे देता है जिस पर बूँदी का नाम है, क्योंकि उसके लिए जन्मभूमि का मान सबसे बड़ा है; और अंत में महाराणा लाखा भी उसके शव के सामने नतमस्तक होते हैं। संदेश: मातृभूमि का मान प्राणों से भी बड़ा है, और परस्पर लड़ने के स्थान पर एकता और पारस्परिक सम्मान ही किसी जाति को बलवान बनाते हैं।

शीर्षक की सार्थकता 1. वीर सिंह के प्रसंग से पुष्टि 1. संदेश 1.

प्रश्न 15 [10]

(i) युद्ध के अंत में दुर्योधन अकेला बचा है। सब भाई और योद्धा मारे जा चुके हैं, और वह घायल तथा पराजित होकर द्वैपायन सरोवर के जल में छिपा हुआ मिलता है, जहाँ से पांडव उसे ललकार कर बाहर बुलाते हैं।

अकेला और पराजित होना 1. सरोवर में छिपा होना 1.

(ii) अश्वत्थामा साँझ के समय घायल दुर्योधन के पास आता है और प्रतिज्ञा करता है कि वह पांडवों से इस अन्याय का बदला लेगा और उन्हें नष्ट कर देगा।

साँझ के समय आना 1. प्रतिशोध की प्रतिज्ञा 1.

(iii) कोई भी तीन: (क) वह कहता है कि युद्ध के लिए अकेला वही नहीं, पांडवों की महत्त्वाकांक्षा भी उत्तरदायी थी; (ख) वह शकुनि को दोष देता है, जिसने बचपन से उसके मन में ईर्ष्या भरी; (ग) वह कहता है कि उसका सबसे बड़ा दुर्भाग्य यह रहा कि उसके पिता अंधे थे, जिसके कारण सिंहासन उनसे छिन गया; (घ) वह भीम और कृष्ण पर छल से वार करने का आरोप लगाता है, क्योंकि जाँघ पर प्रहार नियम के विरुद्ध था।

तीन बिंदु, 1-1 अंक।

(iv) एकांकी महाभारत की कथा को विजेता की नहीं, पराजित की दृष्टि से देखने को कहता है। दुर्योधन को केवल खलनायक मानकर छोड़ देना सरल है, पर एकांकीकार दिखाता है कि उसके भीतर भी तर्क, पीड़ा और अपने ढंग का न्याय-बोध है, और विनाश के लिए दोनों पक्ष किसी-न-किसी रूप में उत्तरदायी थे। इस प्रकार यह रचना अच्छे और बुरे के सरल विभाजन पर प्रश्न उठाती है और पाठक से अधिक सहानुभूतिपूर्ण तथा जटिल दृष्टि की माँग करती है।

पराजित की दृष्टि 1. दोनों पक्षों का उत्तरदायित्व 1. सरल विभाजन पर प्रश्न 1.

प्रश्न 16 [10]

(i) अविनाश ने जाति और प्रांत की सीमा लाँघकर एक बंगाली युवती से विवाह कर लिया था। माँ के संस्कार इसे स्वीकार न कर सके, और उन्होंने क्रोध तथा रूढ़ि-अभिमान में आकर अपने बड़े पुत्र से सारे संबंध तोड़ लिए।

अंतरजातीय विवाह 1. माँ के रूढ़ संस्कार और संबंध-विच्छेद 1.

(ii) मिसरानी ने माँ को बताया कि अविनाश को हैजा हो गया था और वह मृत्यु के निकट पहुँच गया था, किंतु बहू ने दिन-रात सेवा करके उसे बचा लिया।

अविनाश की बीमारी 1. बहू की सेवा से उसका बचना 1.

(iii) कोई भी तीन: (क) विवेकशील और सहृदय — भाभी से मिलकर उसकी सच्चाई पहचान लेती है; (ख) कर्तव्यनिष्ठ बहू — सास का आदर करते हुए भी उचित बात कहती है; (ग) निष्पक्ष — आरंभ में भाभी के विरुद्ध जाती है, पर सत्य जानकर अपना मत बदल लेती है; (घ) संवेदनशील और भावुक — भाभी की दशा से द्रवित हो उठती है; (ङ) परिवार को जोड़ने वाली, जो माँ के हृदय-परिवर्तन में सहायक बनती है।

तीन विशेषताएँ, 1-1 अंक।

(iv) अंत में माँ न केवल बीमार बहू को देखने जाने को तैयार होती हैं, बल्कि अतुल के कहने पर उसे घर लाने के लिए भी तैयार हो जाती हैं। यह इस बात का प्रमाण है कि भावना अंततः संस्कार की जड़ता पर विजय पा लेती है, और ममता जाति तथा रूढ़ि की दीवारों से बड़ी है। शीर्षक सार्थक है, क्योंकि पूरा एकांकी माँ के भीतर चल रहे इसी द्वंद्व — परंपरागत संस्कार और मातृ-भावना के संघर्ष — पर टिका है, और अंत में भावना ही जीतती है।

माँ के निर्णय का अर्थ 1. भावना की संस्कार पर विजय 1. शीर्षक की सार्थकता 1.